ikfy lkslk;Vh vkWQ bf.M;k] okjk.klh % ,d ifjp;

पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया, वाराणसी का पंजीकरण यद्यपि सन् 2016 को हुआ, लेकिन इसके समिति के सदस्यों ने पालि के प्रचार–प्रसार हेतु विधिवत सम्मिलित एकीकृत सहयोगात्मक कार्य कई वर्षों पूर्व ही आरम्भ कर दिया था। व्यक्तिगत प्रयास तो आज से दो दशक पहले से ही चल रहा था। संगठित प्रयास का प्रयोग सर्वप्रथम 23 दिसम्बर, 2009 को किया गया, जब समण सिक्खाप्पवत्तनं, अवधपुर, इन्दारा, मऊ में भिक्षु मूलचन्द नाग की अध्यक्षता में विश्व पालि दिवस का आयोजन किया गया। विश्व पालि दिवस के संरक्षक के रूप में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में पालि एवं थेरवाद विभाग के तत्कालीन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 रमेश प्रसाद को कार्यभार सौपा गया। इस पालि दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

इसमें अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ के तत्कालीन अध्यक्ष भिक्षु नन्दरतन, उपाध्यक्ष भिक्षु देवेन्द्र तथा सदस्य भिक्षु धर्मप्रिय वक्ता के रूप में आमंत्रित थे, किन्हीं कारणवश भिक्षु नन्दरतन कार्यक्रम में उपस्थित न हो सके थे। भिक्षु देवेन्द्र, भिक्षु धर्मप्रिय, भिक्षु एम.सी. नाग, डॉ0 रमेश प्रसाद आदि द्वारा पालि तथा बुद्ध धम्म पर प्रकाश डाला गया, जिनका अनुश्रवण मऊ तथा आस–पास के हजारों उपासकों एवं उपासिकाओं द्वारा किया गया।

विश्व पालि दिवस का द्वितीय अधिवेशन 23 दिसम्बर, 2010 को पालि एवं थेरवाद विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित किया गया। इसमें समण सिक्खाप्पवत्तनं, अवधपुर, इन्दारा, मऊ की भी सहभागिता रही। संगोष्ठी का विषय – ''भगवान् बुद्ध के सार्वभौमिक उपदेश'' था। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि भिक्षु पी0 सीवली थेरो, तत्कालीन संयुक्त सचिव– महाबोधि सोसायटी ऑफ इण्डिया तथा विहाराधिपति– मूलगन्धकुटी विहार, सारनाथ, वाराणसी एवं मुख्य वक्ता प्रो0 प्रद्युम्न दुबे, आचार्य– पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो0 रमेश कुमार द्विवेदी, तत्कालीन छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष तथा अध्यक्ष–बौद्ध दर्शन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं विषय प्रवेश प्रो0 ब्रह्मदेव नारायण शर्मा, तत्कालीन पूर्व संकायाध्यक्ष– श्रमण विद्या संकाय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो0 हर प्रसाद दीक्षित, आचार्य– पालि एवं थेरवाद विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी थे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ0 रमेश प्रसाद, संरक्षक– पालि दिवस समिति तथा तत्कालीन अध्यक्ष– पालि एवं थेरवाद विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन भिक्षु मूलचन्द नाग, समण सिक्खाप्पवत्तनं, अवधपुर, इन्दारा, मऊ ने किया। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न क्षेत्रों के भिक्षु तथा बौद्ध विद्वान, विश्वविद्यालय के गणमान्य आचार्य तथा छात्रों की सहभागिता/प्रतिभागिता रही।

तृतीय, चतुर्थ अधिवेशन क्रमशः 23 दिसम्बर, 2011 एवं 2012 में समण सिक्खाप्पवत्तनं, अवधपुर, इन्दारा, मऊ में सम्पन्न हुआ।

विश्व पालि दिवस का पंचम अधिवेशन 01 अप्रैल, 2014 को बौद्ध विद्वान भिक्षु धर्मरक्षित जी की 91वीं जयन्ती के अवसर पर कुशीनगर में सम्पन्न हुआ। इस समारोह का विवरण कुशीनगर भिक्षु संघ, कुशीनगर द्वारा प्रकाशित पत्रिका ''निब्बान बोधि'' ISSN No. : 2229-3728 के अंक IX के पृष्ठ संख्या 158 में दृष्टव्य है।

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
01 अप्रैल 2014
पालि साहित्य का वैश्विक योगदान
कुशवाहा, कुलपति, ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार)
सत्यपाल महाथेर, अध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
स्वरूपानन्द महाथेर, प्राचार्य, जे.एल.एम.डी.जे. महाविद्यालय, खैराबाद, सीतापुर (उ.प्र.)

एकदिवसीय

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय
01 अप्रैल 2014

SHWA PALI DIWAS SA
In collaboration with
ternational research Institute of Buddhist Studies, Lu
a Chakra Vihar Mula Buddha Shodha Sansthan, Sarnath and Kushinagar Bhikshu Sangha,
st : Prof. Saket Kushwaha (Vice-Chancellor) L.N. Mithila University, Darbhanga, Bihar
al Speech : Agga Mahapandit B. Gyaneshwar, Kushinagar
aker : Bhikshu Satyapal Mahathera, Delhi University, Delhi
Registration counter

आगे से ''विश्व पालि दिवस'' के स्थान पर पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया के सदस्यों द्वारा ''पालि दिवस'' मनाने का संकल्प लिया गया। पालि तथा बौद्ध विद्या के प्रखर विद्वान भिक्षु धर्मरक्षित के जयन्ती–दिवस (01 अप्रैल) को ही प्रति वर्ष ''पालि दिवस'' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में पालि दिवस का छठां सम्मेलन 01 अप्रैल, 2015 को संकिसा में सम्पन्न हुआ, जिसका विवरण निब्बान बोधि के अंक X में उल्लिखित है। ''निब्बान बोधि'' पत्रिका को कुशीनगर भिक्षु संघ, कुशीनगर के साथ–साथ पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया, वाराणसी को भी प्रकाशक के रूप में स्वीकार किया गया।

विश्व पालि दिवस

विश्व पालि दिवस

2015, दिन-बुद्धवार, स्थान - वाई. वी. एस. सेन्टर, राजघाट, संकिसा
एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
विषय :- पालि भाषा एवं साहित्य की प्रासंगिकता

पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया, वाराणसी ने अपना 7वां पालि दिवस 01 अप्रैल, 2016 को लखनऊ में मनाया। इस अवसर पर एक द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 31 मार्च– 01 अप्रैल, 2016 को अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ में सम्पन्न हुआ, जिसका विवरण भिक्षु नन्दरतन द्वारा लिखित रिपोर्ट ''निब्बान बोधि'' पत्रिका के अंक XI के पृष्ठ संख्या 128–131 तक में दृष्टव्य है।

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
डॉ० खोमसॉर्न, बैंकाक, थाइलैण्ड
एस० विक्टर बाबू, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
प्रो० सत्यपाल, पूर्व विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
भालचन्द्र खाण्डेकर, विश्वविद्यालय, नागपुर
अरूण कुमार
नन्दन सिंह बोरा

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ
पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया एवं बौद्ध उपासक महासभा, लखनऊ
के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पालि दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार
बौद्ध संस्कृति के विकास में पालि साहित्य का योगदान
31 मार्च एवं 1 अप्रैल, 2016 समय : प्रातः 10.00 बजे से

अन्तर्राष्ट्रीय

पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया, वाराणसी ने अपना 8वां पालि दिवस 01 अप्रैल, 2017 को श्रावस्ती में मनाया। इस अवसर पर एक द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 31 मार्च– 01 अप्रैल, 2017 को भारतीय बुद्ध विहार एवं श्रामणेर प्रशिक्षण केन्द्र, श्रावस्ती में सम्पन्न हुआ।

भिक्षु डॉ० स्वरूपानन्द महाथेरो
कार्यक्रम स्थल : भारतीय बुद्ध विहार एवं श्रामणेर प्रशिक्षण केन्द्र, श्रावस्ती